CBSE Class 07 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-05 मिठाईवाला

1. मिठाईवाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर:- बच्चे एक ही चीज से उकता न जाएँ इसलिए वह बच्चों को पसंद आने वाली अलग-अलग चीजें बदल-बदल कर बेचता था। दूसरा वह महीनों बाद इसलिए आता था क्योंकि वह अपने फायदे की चिन्ता नहीं करता था,अपना ही धन लगाने के कारण वस्तुओं के इन्तजाम में उसे समय लग जाता था । बच्चों की उत्सुकता और अपने मन की संतुष्टि लिए बच्चों की मनपसंद चीज़ें बेचा करता था।

2. मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खीचें चले आते थे?

उत्तर:- मिठाईवाले का मधुर आवाज़ में गा-गाकर अपनी चीज़ों की विशेषताएँ बताना, बच्चों की मन-पसंद चीज़ें लाना, लाभ कमाने के चक्कर में न रहना, बच्चों से अपनत्व, कोमल और प्रेम पूर्ण व्यवहार दर्शाना आदि ऐसी विशेषताएँ थीं कि बच्चें तो बच्चें बड़े भी उसकी ओर खींचे चले आते थे।

3. विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता। दोनों अपने-अपने पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर:- एक ग्राहक के तौर पर विजय बाबू तर्क देते हैं कि दुकानदार को झूठ तथा दाम बढ़ा कर बोलने की आदत होती है। सामान सबको एक ही भाव में देते हैं पर पहले अधिक और फिर कम दाम बताकर ग्राहक पर एहसान का बोझ डाल देते हो।

एक विक्रेता के तौर पर मुरलीवाला तर्क देता है कि ग्राहक को सामान की असली लागत का पता नहीं होता है और दुकानदार हानि उठाकर सामान क्यों न बेचे पर ग्राहक को लगता है कि दूकानदार उसे लूट ही रहा है।ग्राहक हमेशा दुकानदार पर सन्देह ही करता है।

4. खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर:- खिलौनेवाले की मादक मधुर आवाज़ सुनकर बच्चे चंचल हो उठते। उसके स्नेहपूर्ण कंठ से फूटती हूई आवाज़ सुनकर निकट के मकानों में हल-चल मच जाती। गलियों तथा उनके भीतर स्थित छोटे-छोटे उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों का समूह अपनी जूते- टोपी उद्यान में ही भूलकर उसे घेर लेता और वे अपने-अपने घरों से पैसे लाकर खिलौनों का मोल-भाव करने लगते।

5. रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो गया?

उत्तर:- रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण हो आया क्योंकि उसे वह आवाज़ जानी-पहचानी लगी। उसे स्मरण हो आया कि खिलौनेवाला भी इसी प्रकार मधुर कंठ से गाकर खिलौने बेचा करता था और इस मुरलीवाले का स्वर भी उसी तरह का था। ये भी ठीक वैसे ही मधुर आवाज़ में गा-गाकर मुरलियाँ बेच रहा था।दोनों के बेचने का अंदाज एक समान था।

6. किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था? उसने इन व्यवसायों को अपनाने का क्या कारण बताया?
उत्तर:- मिठाईवाला रोहिणी की बात सुनकर भावुक हो गया था।
उसने इस छोटे व्यवसाय को अपनाने का कारण यह बताया कि किसी समय उसका भी सुखी -संपन्न परिवार था,सुन्दर पत्नी और प्यारे बच्चे थे किन्तु उसका परिवार नष्ट हो गया अब वहअपने मृत बच्चों की झलक दूसरों के बच्चों में देखता है। बच्चों के साथ रहकर उसे संतोष, धैर्य व असीम सुख की प्राप्ति होती है।

---

7. 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा' - कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा?
उत्तर:- 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा' - कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि पहली बार किसी ने उसके प्रति इतनी आत्मीयता दिखाई और उसके दुःख और पीड़ा को समझने का प्रयास किया , उसे रोहिणी के बच्चों चुन्नू-मुन्नु में अपने बच्चों की छवि नज़र आई।

---

8. इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती हैं? यदि करती हैं तो क्यों? आपकी राय में क्या यह सही है?
उत्तर:- हाँ आज भी कुछ पिछड़े ग्रामीण, रुढ़िवादी और कुछ जाति विशेष के परिवारों में पर्दा प्रथा का चलन है।
मेरी राय में ये बिल्कुल भी उचित नहीं है। ये प्रथा न केवल स्त्रियों की स्वतंत्रता का हनन करती है बल्कि उनकी प्रगति में भी रूकावट उत्पन्न करती है। साथ ही इस प्रकार की प्रथाएँ हमारे देश की छवि को भी विश्व-पटल पर धूमिल करती है।

---

9. हाट-मेले, शादी आदि आयोजनों में कौन-कौन सी चीज़ें आपको सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं? उनको सजाने-बनाने में किसका हाथ होगा? उन चेहरों के बारे में लिखिए।
उत्तर:- हाट-मेले की सभी चीजें मन को आकर्षित करती हैं जैसे खाने पीने की चटपटी चीजें (चाट-पकौड़ी, दही भल्ले, गोलगप्पे), नमकीन (सेव, पापड़ी, नमकपारे) और मिठाइयाँ (जलेबी, मालपुए, आइसक्रीम, बर्फ के गोले), खिलौने, रंग-बिरंगे गुब्बारे, झूले और जादुई तमाशे आदि।
इन हाट-मेले को सजाने में कारीगरों, मजदूरों और उनके घर की महिलाओं और बच्चों का भी समान रूप से हाथ होता है। इन सभी चेहरों के पीछे उनकी मेहनत, थकान, कार्यकुशलता, कारीगरी, व्यस्तता और कुछ आर्थिक लाभ पाने की छिपी इच्छा रहती है।

• भाषा की बात
10. मिठाईवाला बोलनेवाली गुडिया
ऊपर 'वाला' का प्रयोग है।अब बताइए कि-
(क) 'वाला' से पहले आनेवाले शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि में से क्या हैं?
(ख) ऊपर लिखे वाक्यांशों में उनका क्या प्रयोग है?
उत्तर:- (क) मिठाईवाला
वाला से पहले आने वाला शब्द संज्ञा है।

बोलनेवाली गुडिया
बोलनेवाली - विशेषण शब्द है। गुड़िया शब्द संज्ञा है।
(ख) ऊपर वाले वाक्यांश में उनका प्रयोग किसी व्यक्ति और वस्तु के लिए हुआ है।

---

11. 1."वे भी, जान पड़ता है, पार्क में खेलने निकल गए हैं।"
2."क्यों भई, किस तरह देते हो मुरली?"
3."दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। जरा कमरे में चलकर ठहराओ।"
भाषा के ये प्रयोग आजकल पढ़ने-सुनने में नहीं आते। आप ये बातें कैसे कहेंगे?
उत्तर:- हम ये बातें इस प्रकार कहेंगे -
1.**प्रतीत होता है**, वे भी पार्क में खेलने निकल गए हैं।
2.क्यों भाई **मुरली किस भाव** बेचते हो?
3."दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। जरा कमरे में चलकर मोल **भाव तो कीजिए**।"